अप्रैल से घरेलू शेयर बाजार में तेजी का दिखा असर, सेंसेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब पहुंचा

आईपीओ : 6 महीने का टूटा रिकॉर्ड, आठ कंपनियों ने जुटाए 17,688 करोड़ रुपये

अजीत सिंह

नई दिल्ली। सेकेंडरी बाजार में अच्छी तेजी के बाद प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ ने रफ्तार पकड़ ली है। बीएसई सेंसेक्स जहां अक्तूबर के बाद पहली बार 84,000 के पार पहुंचा है, वहीं आईपीओ बाजार ने छह महीने का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जून में 8 कंपनियों ने 17,688 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे पहले दिसंबर, 2024 में 26,021 करोड़ रुपये जुटाए गए थे।

इस महीने के पहले 12 दिन तक एक भी आईपीओ नहीं आया है। 15 दिन में 8 कंपनियां बाजार में उतर गईं। सबसे बड़ा 12,500 करोड़ का इश्यू एचडीबी फाइनेंशियल का रहा। जुलाई भी अच्छा दिख रहा है। दो और तीन जुलाई को दो कंपनियां 2,860 करोड़ जुटाने के लिए बाजार में उतरेंगी। इस साल मुख्य प्लेटफॉर्म पर 24 कंपनियों ने बाजार से 45,374 करोड़ जुटाए। हालांकि, मार्च और अप्रैल में केवल एक कंपनी ही लिस्ट हुई थी। छोटी और मझोली कंपनियां यानी एसएमई आईपीओ में भी तेजी बनी हुई है। इस साल अब तक कुल 100 कंपनियों ने 4,395 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

1.45 लाख करोड़ के इश्यू के लिए मसौदा जमा

मुख्य प्लेटफॉर्म

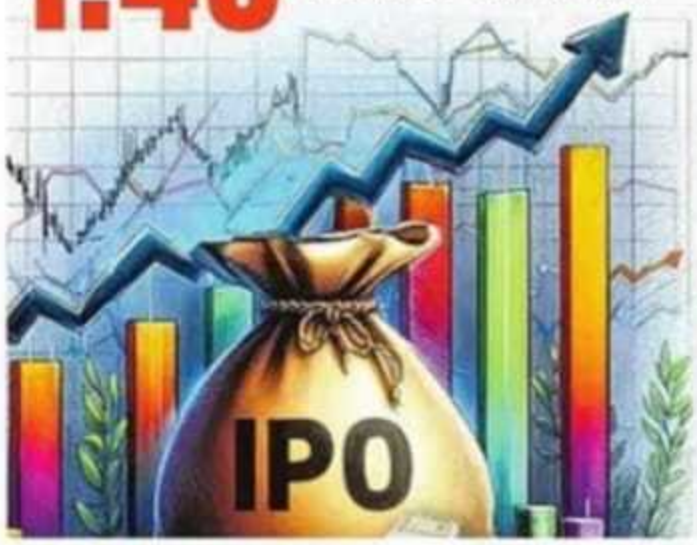

वर्ष	कंपनियां	रकम
2024	91	1.60 लाख करोड़
2023	57	49,437 करोड़
2022	40	59,938 करोड़
2021	63	1.20 लाख करोड़

एसएमई प्लेटफॉर्म

वर्ष	कंपनियां	रकम
2024	240	9,274 करोड़
2023	182	4,967 करोड़
2022	109	1,979 करोड़
2021	59	787 करोड़

बड़े आईपीओ से छोटे निवेशक बना रहे दूरी

इस साल अब तक जो भी इश्यू आए हैं, उनमें बड़े आईपीओ से खुदरा निवेशकों ने दूरी बना ली है। 800 करोड़ से ऊपर वाले इश्यू देखें तो कल्पतरू का इश्यू 2.31 गुना भरा था। खुदरा निवेशकों का हिस्सा केवल 0.76 फीसदी भरा। एलनबैरी के 17 गुना में खुदरा निवेशकों का हिस्सा 2.91 फीसदी रहा। ओसवाल पंप को कुल 34 गुना में खुदरा का हिस्सा 3.60 गुना व एजिस के 2.20 गुना में खुदरा का केवल 0.81 फीसदी हिस्सा भरा।

बड़े इश्यू में खुदरा निवेशकों ने दिखाई कम दिलचस्पी

कंपनी	कुल भरा	खुदरा हिस्सा
बेलराइज	43 गुना	4.52 गुना
एथर	1.5 गुना	1.89 गुना
हैक्सावेयर	2.79 गुना	0.33 गुना
डॉ. अग्रवाल	1.49 गुना	0.26 गुना

छोटे आईपीओ में खुदरा का हिस्सा 200 गुना तक भरा

कंपनी	कुल भरा	खुदरा हिस्सा
इंडोफार्म	227 गुना	102 गुना
डैंटा वाटर	221 गुना	90 गुना
बोराना वेव्ज	148 गुना	200 गुना
क्वाड्रेंट	185 गुना	65 गुना
स्टालियन	188 गुना	97 गुना

आईपीओ में इसलिए तेजी : प्राइम डाटाबेस के एमडी प्रणव हल्दिया कहते हैं कि आईपीओ बाजार सेकेंडरी बाजार पर निर्भर होता है। अक्तूबर से मार्च तक बाजार में गिरावट रही थी, जिससे आईपीओ बाजार भी थम गया था। अप्रैल से जैसे ही बाजार ने तेजी भरी, आईपीओ में भी तेजी आने लगी है।

एनएसई पर सभी की नजर

निवेशकों की नजर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई के आईपीओ पर है। यह भारतीय आईपीओ की जननी है। हाल में सेबी चेयरमैन तुहिनकांत पांडे ने कहा था, एनएसई के आईपीओ में सेबी की ओर से अब कोई बाधा नहीं है। सूत्रों ने बताया, एनएसई ने को-लोकेशन और डार्क फाइबर मामले में 1,388 करोड़ में सेबी को सेटलमेंट का ऑफर दिया है।

■ एनएसई का मूल्य 6 लाख करोड़ आंका गया है। इस आधार पर अगर यह 10 फीसदी भी हिस्सा बेचता है तो आईपीओ रिकॉर्ड 60,000 करोड़ का हो सकता है। संस्थागत और हाई नेटवर्थ के साथ खुदरा निवेशकों में शेयर की जबरदस्त मांग है। मई में इसका शेयर गैर सूचीबद्ध बाजार में 1,500 रुपये पर था जो अब 2,500 रुपये पर आ गया है।